



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Indian Express*.....

दिनांक : 4.12.2020 पृष्ठ संख्या..... 1 कॉलम.....



CCHAU HISAR (EDUCATION DAY)

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University celebrated online Agricultural Education Day. Director of Research, Dr. S.K. Sahrawat welcomed dignitaries, scientists, students and farmers to join the webinar. He told that the Agricultural Education Day is celebrated every year on 3rd December to commemorate the birth anniversary of the first President of the country and the first Union Minister of Agriculture, Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad. Scientists of national and international level expressed their views in the brainstorming session of the webinar. The webinar was organized on behalf of the College of Agriculture of the University. Vice-Chancellor of the University Professor Samar Singh explained that the event is intended to educate school students and encourage them to choose agriculture as a profession by detailing the career prospects, agri-entrepreneurial avenues so as to develop their interest in the subject. He further added that If modern techniques and seeds of improved varieties of crops are used, then agriculture farm income can be increased to a large extent.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

११११५.२०२०।

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ५-८

उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं घाटे का सौना

एचएयू में वेबिनार



जागरण संवाददाता, हिसार : आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौना नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से इनकी न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड बढ़ेगी। यह बातें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह कृषि शिक्षा दिवस पर बीरबाजार को आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे।

वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सीएसके

कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा का पवित्र मार्ग, विज्ञानी करें नई तकनीकों का विकास : डा. एचके चौधरी सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डा. एचके चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इतने बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकत है। इसलिए कृषि विज्ञानी को चाहिए कि वे अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यनिष्ठा और लगन से करते

हुए कि सानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. एके सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेतीबाड़ी से अच्छी आमदानी कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को

चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर सिखना होगा। यूएसए की स्टेट वैजिनिया यूनिवर्सिटी से डा. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का मौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं। युवा कृषि व्यवसाय को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डा. एच.के. चौधरी मुख्यातिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. एके सिंह विशिष्ट अतिथि जबकि यूएसए की स्टेट वैजिनिया यूनिवर्सिटी से डा. उमेश के. रेड्डी

मुख्य वक्ता थे।

स्कूली विद्यार्थियों ने भी कृषि महाविद्यालय के सह अधिष्ठाता एवं वेबिनार के संयोजक डा. एसके के अधिष्ठाता डा. एके छाबड़ा ने बताया कि इस वेबिनार में हिसार, भिवानी, सिरसा, यमुनानगर सहित चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों के करीब

500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के सह अधिष्ठाता एवं वेबिनार के संयोजक डा. एसके के अधिष्ठाता डा. एके छाबड़ा ने पाहुंचा के अनुसार इस वेबिनार के दौरान कृषि के महत्व, इसके क्षेत्र, देश के संदर्भ में इसकी उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में अवसर और कृषि इंटरप्रेन्योर

आदि की जानकारी दी गई, ताकि इस विषय के संबंध में उनमें रुचि जागृत हो सके। ऑनलाइन वेबिनार में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय विद्यार्थी व किसान भी जुड़े हुए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सरी

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ५. ७

‘आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं घाटे का सौदा’

हिसार, ३ दिसम्बर (ब्यूरो): अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर अँगलाइन माध्यम से आयोजित वैबिनार को बताए मुख्य संरक्षक संबोधित कर रहे थे।

वैबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डा. ए.के.चौधरी मुख्यातिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. ए.के. सिंह विशेष अतिथि जबकि यू.एस.ए.की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डा. उमेश के. रेड्डी मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि शिक्षा दिवस को प्रतिवर्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति व प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री भारत रत्न डा. राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

कृषि को बिजनेस का रूप दे सकते हैं युवा

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक बिजनेस का रूप दे सकते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आँदोन किया कि युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबंधित क्षेत्र की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए। साथ ही शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए और उसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों को शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि शिक्षा पूरी होते ही वे इस क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें और देश में भी कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाया जा सके।

कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा का पवित्र मार्ग : डा. चौधरी

सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर



वैबिनार के दौरान संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य वक्ता।'

के कुलपति डा. ए.के.चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इतने बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यनिष्ठा और लगन से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेतीबाड़ी से अच्छी आमदानी करा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर सिखना होगा।

ब्रांड के रूप में स्थापित करें कृषि व्यवसाय

यू.एस.ए. की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डा. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं।

युवा कृषि व्यवसाय को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. ए.के.छाबड़ा ने बताया कि इस वैबिनार में हिसार, भिवानी, सिरसा, यमुनानगर सहित चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। इस वैबिनार के दौरान कृषि के महत्व, इसके क्षेत्र, देश के संदर्भ में इसकी उपयोगिता एवं कृषि क्षेत्र में अवसर और कृषि इंटरप्रेन्योर आदि की जानकारी दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांकपृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

हरिभूमि

हिसार-फतेहाबाद-सिरसा भूमि

रोहतक, शुक्रवार 4 दिसंबर 2020

खेती के लिए शिक्षित युवा
आगे आएं और कृषि को
डिजिनेस का रूप दें

हरिभूमि न्यूज़ ►| हिसार

अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीचों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर अॉनलाइन माध्यम से आयोजित वीबिनार को बताए मुख्य संरक्षक संबोधित कर रहे थे। वीबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी, मुख्यातिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एक सिंह विशेष अतिथि जबकि यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के रही मुख्य वक्ता थे।

कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती घाटे का सौदा नहीं : प्रो. समर

खास बातें

- यूनीविर्टिटी के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेतीबाड़ी से अच्छी आमदानी कमा सकते हैं
- जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए जैविक देश की अधिकार जलसंरक्षण कृषि पर आधारित है। ऐसे में छहले बड़े तबके को कृषि जैविक विकास बेकर जागरूक करना माजबूत जाति को सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। असली कृषि अनुशासन संस्थान के निदेशक डॉ. एक सिंह ने कहा कि वर्तमान में मारतीय विद्यालयों के सामने अनेक कृषीरियाँ हैं, लेकिन इन द्वारितियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेतीबाड़ी से अच्छी आमदानी कमा सकते हैं।

कृषि शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया मंथन

कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा का पवित्र मार्ग : डॉ. चौधरी

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एचके वैष्णवी ने कहा कि छातारे देश की अधिकार जलसंरक्षण कृषि पर आधारित है। ऐसे में छहले बड़े तबके को कृषि जैविक विकास बेकर जागरूक करना माजबूत जाति को सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। असली कृषि अनुशासन संस्थान के निदेशक डॉ. एक सिंह ने कहा कि वर्तमान में मारतीय विद्यालयों के सामने अनेक कृषीरियाँ हैं, लेकिन इन द्वारितियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेतीबाड़ी से अच्छी आमदानी कमा सकते हैं।

CH. CHARAN SINGH HARYANA AGRICULTURAL UNIVERSITY



युवाओं के लिए सुनहरी नीति

यूएसए की स्टेट विजिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के रही ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा नीति है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को बेचार कर और आधिक मुलाफा कमाए। युवा कृषि व्यवसाय को एक बाड़ के रूप में स्थापित करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... भाषा तालि

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ७-८

आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का उपयोग हो तो खेती घाटे का सौदा नहीं : प्रो. समर सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर हुआ वेबिनार

हिसार। अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का उपयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकती। जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मांग बढ़ेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे वीरवार को विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य संरक्षक संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एचके चौधरी मुख्यातिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एके सिंह विशिष्ट अतिथि और यूएसए की स्टैट

वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी। मुख्य अतिथि डॉ. चौधरी ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यनिष्ठा और लगन से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करना चाहिए।

डॉ. एके सिंह ने कहा कि युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर सीखना होगा। यूएसए की डॉ. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं। व्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... भाषा.....

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... । कॉलम..... २६.....

कोरोना का असर

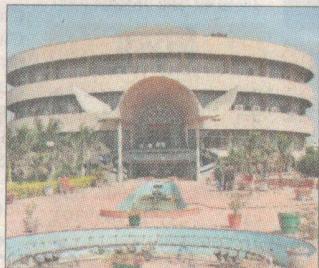
जिले के तीनों विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं 81 विद्यार्थी, इस साल की दाखिला प्रक्रिया लगभग पूरी

गुजवि, हक्कवि व लुवास में दाखिले के लिए नहीं आया एक भी विदेशी



संदीप बिश्नोई

हिसार। कोरोना संकट का असर शिक्षण संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी पड़ा है। कोरोना संकट के चलते ऐसा पहली बार हुआ है, जब अन्य देशों के विद्यार्थियों ने जिले के तीनों विश्वविद्यालयों (गुजवि, हक्कवि और लुवास) से दूरी बना ली है। दाखिला प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बाद भी अब



तक किसी विदेशी विद्यार्थी ने एडमिशन के लिए इच्छा नहीं जताई। हालांकि आगामी दिनों में भी विदेशी विद्यार्थियों के इच्छा जातने पर दाखिले किए जाने का विशेष प्रावधान किया गया है।

बता दें कि हर वर्ष तीनों विवि में करीब 20 से अधिक विद्यार्थी दाखिला लेते हैं।

अभी भी कोई विद्यार्थी आग्रह करता है तो देंगे दाखिला

कोरोना के चलते अब तक एक भी विदेशी विद्यार्थी दाखिले के लिए नहीं आया है। अगर किसी विद्यार्थी का आग्रह आता है तो उसका दाखिला किया जाएगा। इसके लिए हम सरकार से भी बात करेंगे।

- प्रो. समर सिंह, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार।

कोरोना संकट के चलते विवि प्रशासन भी विदेशों में प्रभावी तरीके से प्रचार-प्रसार नहीं कर पाए। ऐसे में इस बार किसी भी विदेशी विद्यार्थी ने हिसार के विश्वविद्यालयों में दाखिले को लेकर रुचि नहीं दिखाई। जिले के तीनों विश्वविद्यालयों में फिलहाल विभिन्न देशों के करीब 81 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें अधिकांश विद्यार्थी स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं या पीएचडी शोधार्थी हैं। एचएयू और लुवास में 57 विदेशी विद्यार्थी हैं। इनमें 26 लड़कियाँ हैं, जो भूटान, नेपाल, तंजानिया, म्यांमार और जिंबाब्वे से हैं। बहीं, 31 लड़के हैं, जो अफगानिस्तान, भूटान, नाइजीरिया, म्यांमार, श्रीलंका, इथोपिया, मोजाबिक और केन्या से हैं। गुजवि में 24 विदेशी विद्यार्थी हैं, जो इथोपिया, बांग्लादेश और नेपाल से हैं। इस बार किसी भी बाहरी देश के विद्यार्थी ने प्रवेश के लिए रुचि नहीं दिखाई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

१० अक्टूबर

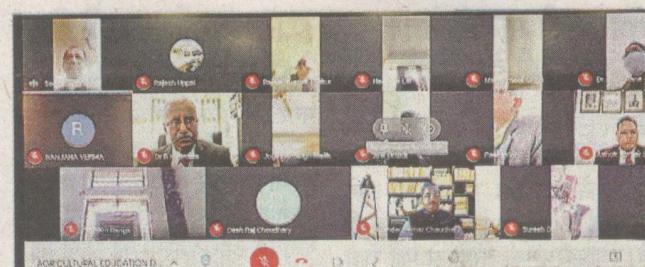
दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ३-६

एचएयू के वेबिनार में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया मंथन आधुनिक तकनीक का प्रयोग हो तो खेती घाटे का सौदा नहीं : समर सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे एचएयू में कृषि शिक्षा दिवस पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एचके चौधरी मुख्यातिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि शिक्षा दिवस को प्रतिवर्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति व प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।



एचएयू द्वारा आयोजित वेबिनार के दौरान संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता।

के. रेड्डी मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि शिक्षा दिवस को प्रतिवर्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति व प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

हिमाचल प्रदेश कृषि विवि पालमपुर के कुलपति डॉ. एचके चौधरी ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक

किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों के उन्नत किस्मों विकसित करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एके सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं, लेकिन इनके बीच में कई अवसर भी हैं। यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है।

प्रो. समर सिंह ने खेती में मुनाफे को ये दिए 3 टिप्प

1. युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर कृषि को बिजनेस का रूप दे सकते हैं।
2. युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम करें कृषि वैज्ञानिक।
3. शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए, उसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रख विद्यार्थियों को शिक्षा देनी चाहिए।

500 विद्यार्थी रहे मौजूद

कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा ने बताया कि इस वेबिनार में हिसार, भिवानी, सिरसा, यमुनानगर सहित चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के सह अधिष्ठाता एवं वेबिनार के संयोजक डॉ. एसके पाहुजा रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पाठ्यक्रम पत्र

दिनांक ..३.।२.।२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में महिला किसान दिवस का आयोजन 4 दिसंबर को

पाठ्यक्रम पत्र

हिसार, 3 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में 4 दिसंबर को महिला किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को सांझा करेंगी। इस दौरान महिलाओं को कृषि में आधुनिक तकनीकों की भी जानकारी दी जाएगी ताकि वे स्वयं के साथ-साथ



अन्य कृषक महिलाओं को भी जागरूक कर सकें। यह जानकारी देते हुए कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों, विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों व नई-नई उन्नत किस्मों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नंबर: चौट
दिनांक ३.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

आधुनिक तकनीकों, बीजों की उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो कृषि भी मुनाफे का सौदा: कुलपति

हिसार/०३ टिसंवर/रिपोर्टर

आगरे आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड बढ़ेगी। उत्तर विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे कृषि शिक्षा दिवस पर अनेलाइन माध्यम से आयोजित वैबीनार को बताए मुख्य संरक्षक संबोधित कर रहे थे।

वैबीनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से किया गया था। कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एचके चौधरी मुख्यातिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एक सिंह विशेष अधिकारी जबकि यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के रेड्डी मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि कृषि शिक्षा दिवस को प्रतिवर्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति व प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि



कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक विजेताम का रूप दे सकते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आवान किया कि युवाओं को कृषि से जीवनकारी कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबंधित क्षेत्र की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए। साथ ही शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए और उसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों को शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि शिक्षा पूरी होती ही वे इस क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें और देश में भी कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाया जा सके।

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एचके चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकारत जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इतने बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यनिष्ठा और लगन से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एक सिंह ने कहा कि बर्तमान में अनेक

चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान छेती-बाड़ी से अच्छी आमदानी कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुर भिखना होगा। यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिम्पत्ति को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफे कमाएं। युवा कृषि व्यवसाय को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

कृषि महाविद्यालय के अधिकारिता डॉ. एक छावड़ा ने बताया कि इस वैबीनार में हिसार, भिवानी, भिरसा, यमुनानार सहित चंडीगढ़ के विभिन्न रक्कों के करीब ५०० विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के सह अधिकारी एवं वैबीनार के संयोजक डॉ. एसके पाहजा के अनुसार इस वैबीनार के दौरान कृषि के महत्व, इसके क्षेत्र, देश के संदर्भ में इसकी उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में अवसर और कृषि इंटरप्रैनोर आदि की जानकारी दी गई ताकि इस विषय के संबंध में उनमें सुचि जागृत हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिंही पत्र

दिनांक ..3.12.2021.....पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक बिजनेस का रूप दे सकते हैं: वीसी कृषि शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया मंथन

सिंही पत्र न्यूज, हिसार अग्र आधुनिक तकनीकों व प्रौद्योगिकी के उत्तम किसिमें के जीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घारे का सेवा नहीं हो सकता। साथ ही जीजों खेतों के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय वर्ष्णन असरान्वय रखए पर भी उत्पाद बढ़ती। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ममता मिहा ने कहा। वे विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर अनिवार्य माध्यम से अवधारित लोकवारों को बड़ी मुख्य सरबोधन संवेदित कर रहे थे।

कृषिकारों ने कहा कि कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक विजनेस का रूप दे सकते हैं। उक्तों कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि



हिसार। वेबिनार के दौरान सर्वोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ममता सिंह व अन्य वक्ता।

युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए उद्याद से ज्यादा कृषि सर्वोधित किए प्रशिक्षण कार्यक्रम अव्योनित किए जाएं और सर्वोधित सेवा की जानकारी

देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए। साथ ही शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए और उसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों

द्वारा एवं जीभी में काता कि इसपर देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इन्हें बड़े तरफकों को कृषि सर्वोधित शिक्षा देकर जागरूक कराया अपने आप में मानव जीवि जी सेवा करने का सर्वसे पाँचवां मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्यों को बड़ी लक्षणीयता और लगन से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फलानों की उत्तम वितरण का विकास करें।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एक सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों को व्यावरण में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लैंकिन इन चुनौतियों के दोष में वह अवसर भी है जिनके माध्यम से

किसान खेती-बाजी में अच्छी आगमनी करा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अन्यथा में बदलने का हुआ सिखाना होगा। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एक उच्चतम ने चतुर्या कि इस वेबिनार में इसका विभाग, विस्तर यथावत विवरण चर्चाएँ के विभिन्न स्तरों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के मह. अधिकारी पर्व वेबिनार के मंयोजक डॉ. एम.के. पाटिला के अनुसार इस वेबिनार के द्वीपान कृषि के महल, इसके द्वंद्व, देश के सर्वर में इसकी उपयोगिता, कृषि संत्र में असर और कृषि इंटरप्रेनर आदि को जानकारी दी गई ताकि इस विषय के सबसे में उनमें संविधि जासू हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पाठ्यकृष्ण
दिनांक ३.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ५

कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं है घाटे का सौदा - प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपथ न्यूज
हिसार, 3 दिसंबर: - अग्र
 आशुनिक तकनीकों व फसलों के उत्तर
 किसिमों के बीचों का प्रयोग तभी ही सकता
 हो कि पृष्ठ वाला का गोपनीयता साथ ही जैविक खेतों के साथ कठि-
 न उत्पादों की गोपनीयता के बनाए रखने से
 न केवल राशीय वर्षिक अंतर्राष्ट्रीय यत्न
 पर भी चिंगांड बढ़वाएं। उक विचार
 औरधोर चरण रिहायिया की कृपि-
 यता विवरणित रूप से विवरणित रूप से
 समाप्त सिंह ने कहा है वे विश्वविद्यालय में
 कृषि शिक्षा दिवस पर अौनसोदान
 माध्यम से अयोग्यता वैविनार को
 बताएं मूल्य संस्कार के संबंधित कार्य रहे
 मैं। विद्यालय की ओर आयोजन वृक्षिक
 किया गया था। कार्यक्रम में मीमांसक-

हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालय पालामपुर के कुलपति डॉ. एच. के. चौधरी पूर्णायात्रिथ, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए. के. सिंह विशिष्ट अतिथि जयविक्रम यूप्रेस को रेस्टे वैज्ञानिक यूनिवर्सिटी से आ. डॉ. दिपेश के. रेणु मुख्य वकाथे अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. ज्यावत ने कार्यक्रम में सामिल होने के लिए सभी का ध्यान रखा। उठाने की वैज्ञानिकों से आइन किया कि युवाओं को कृप्ति से जोड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा कृप्ति सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और कार्यक्रम तैयार की विस्तृत रूप तरीके जानकारी देने के लिए जागरूकता



कायंक्रम चलाएं जाने चाहिए। साथ ही शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए और उसे अंतर्राष्ट्रीय मानवों को अनन् में रखकर विद्यार्थियों को शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि शिक्षा पूरी होते ही वे इस क्षेत्र में अपना भवित्व बढ़ावा दें सकें और ऐसी वैधुति धंश को अधिक मजबूत बनाया जा सके। सीएसके हमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलार्पति लां, एच.पी. चौधरी ने कहा कि हमारे देश को अधिक जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे ही दृष्टि तक

को कृप्ति संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना। अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे प्राचीन मार्ग हो सकता है। इसलिए निको को चाहिए कि वे को बड़ी कर्तव्यमिश्या और भलासा रखते हुए किसानों को भलासा दें—नह तकनीकों का विभिन्न उत्तर किस्मों का विकास करते हुए वे कृषि अनुसंधान संस्थानों डॉ. ए. क. शर्मा के हाथ का भारीय किसानों के सामने लानी चाहिया है, लेकिन इन ५ वर्षों में कई अवसर भी प्राप्ति द्वारा किसान खेतों की व्यापारीय क्रांति मार्ग से दूर रहती है।

हैं। इसके लिए युवा क्रिसमानों को चुनौतीयों को अनुसार में बदलने का हुनर सिखाना होगा। यूएसए को स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के, रेडू ने कहा कि मुख्याओं के लिए विद्यार्थी ने भी कृपा का एक अवसराय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। कृपा महाविद्यालय के अधिग्राहक डॉ. ए.के. अब्दुल ने बताया कि इस वेबिनार में हिस्सा, प्रियानी, सिसारा, यशवनानार सहित चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृपा महाविद्यालय के सभी अधिग्राहक एवं वेबिनार के संयोजक डॉ. एस.के. पाण्डुजा के अनुसार इस वेबिनार के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सभी के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व विद्यार्थी ने जुटे थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम:

ପାଇୟ ବାଜି

दिनांक . ३ : १२ : २०२० पृष्ठ संख्या . — कॉलम . —

.कॉलम.

कृषि शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया मंथन
कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं है घाटे का सौदा : प्रो. समर सिंह

पांच बड़ी व्याज



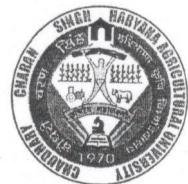
प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री भारत राज्य ग्रन्थालय के प्रशिक्षण के लिए विद्युत के उपयोग में सक्षमता दर्शाता है। कूल्युट प्रोफेसर बमर निवेदित करते हैं कि कृषि क्षेत्र आधुनिक तकनीकों परिप्रशिक्षण द्वारा सक्षमता कर एक विज्ञानसाधन का रूप देता है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को आवश्यक किया कि युवाओं को कृषि से जोड़ा जाए। इन्होंने इन्हें ज्यादा से ज्यादा कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक घोषित किया। अब विद्युत के

मन्त्रिभव द्वारा की विस्तृत रूप से में जानकारी देने के लिए आगवानका कार्यक्रम चलाया जाता रहा। सभा ही शिक्षा को कृपा अंतर्राष्ट्रीय मानकों का ध्यान देती है और उसके विविधानों को शिक्षा द्वारा आगवानका ताक्षणिक पूरी तरह से इस बैठक में अपना परिवर्तन वस्तु और देखे गए भी क्षेत्रों के अधिकारी मन्त्रिमंडल द्वारा देखा गया।

कृषि शिक्षा मानव जागि सिवाया हो।

युपर्से की स्टॅट विजिनिया बूनिंसिटी में डॉ. ड्रेसो के, रोहे ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशी में भी कृषि को एक व्यवस्था के रूप में स्थापित करने का सुनारा मोक्ष है। इसके लिये युवा औंसरेक्ट्रीय सभा की प्रतिसंघों को आग्रह में रखकर अपने कृषि उत्पादनों को तैयार करें और अधिकारी व्यवस्था कामए। युवा कृषि व्यवस्थाया को एक छांड के

कल्पना विद्युतीयों ने भी चित्राणा विस्मय का मौजूदा विद्युतीय के अधिकारित थे। एक छविहाने वालों का इस विवेचन में हिस्मार, ध्यानांनु, रिसार, शुभानु-प्रभानु और बृहदीश्वर विद्युतीयों के विविध स्कूलों की कठोरी 500 विद्युतीयों ने भी उन्हें विस्मय किया। कृष्ण मायाविद्युतीय का समय अधिकारित एवं विवेचन के संयोग से हुआ। एस.एस. जैन ने इसका अध्ययन इस विवेचन के द्वारा कृष्ण के महत्व, इसके विशेष, देश के संदर्भ में इनका उपराजनक अध्ययन किया। कृष्ण के संबंध से अवधारणा एवं कृष्ण द्वारा प्रस्तुत आदि का जानकारी हो गया ताकि इन विद्युतीयों के संबंध में उन्मुख जानकारी हो सके। अनिनेन्द्रा विवेचन में विद्युतीयों के अधिकारित विश्वासन, विद्युतीय क्रम, विद्युतीय विद्युतीयों सरक के विवेचन, विद्युतीय के अस्तित्वान्युग सरक के विवेचन, विद्युतीय के



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

संलग्न संदर्भ दृष्टि २०१७।।

दिनांक/.12.2020. पृष्ठ संख्या.....

कॉलम.....

कृषि में आधुनिक तकनीक हो तो खेती नहीं है घाटे का सौदा : प्रो. समर

हृषि कुलपति बोले,
खेती के लिए शिक्षित युवा
आगे आएं, कृषि सबंधी
प्रशिक्षण लें और कृषि को
बिजेस का रूप दें

कृषि शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय
व अंतरराष्ट्रीय स्तर के
वैज्ञानिकों ने किया मन्थन

समस्त हरियाणा न्यूज़
हिसार। अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों
के ज्ञान किसी के बीचों का प्रयोग किया
जाए तो कृषि घाटे का गीत जाहे हो सकता।
साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों
की गुणवत्ता की बढ़ाए रखने से न केवल
राष्ट्रीय बलिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड
बढ़ेगी। उक्त विचार चौथी चरण सिंह
हृषि विश्वविद्यालय के कुलपति
प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय
में कृषि शिक्षा दिवस पर अनलाइन माध्यम

से आयोजित वेबिनार के बैठकेर मुख्य
संरक्षक संबोधित करे रहे थे। वेबिनार का
आयोजन कृषि मुद्राविद्यालय को जोर से
आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में
सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय
पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी
मुख्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह विशिष्ट अधिकारी
जैविक गृहसंसाधनों को स्टेट वर्किनिया
भूमिकासंस्था से डॉ. उमेश के, रेस्टुरेंट वकार
ये अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यवानी और लगत से करते
हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों का
विविध फसलों की उत्तम किसिंग का विकास करें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहायता
ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का
स्वागत किया। कार्यक्रम की उपरेखा की
जानकारी देते हुए, बताया कि कृषि शिक्षा
दिवस के प्रतिवर्ष देश के प्रश्न गट्टित व
प्रथम कोटीय कृषि मंत्री भारत रत्न रु. राजेन्द्र
प्रसाद के ज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मनाया
जाता है।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि
को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण
हासिल कर एक बिजेस का रूप दे सकते

कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा
का पवित्र मार्ग : डॉ. चौधरी

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के
कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी ने कहा कि हमारे देश को
अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इन्हें
बड़े तरह के कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना
अपने आप में मानव जाति की सेवा का सबसे पात्र
मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि
वे अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यवानी और लगत से करते
हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों का
विविध फसलों की उत्तम किसिंग का विकास करें।

**भारतीय किसानों के सामने अनेक
चुनौतियां :** डॉ. सिंह

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि
वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन इन
चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेती-
बाजी से अच्छी आगदान कमा सकते हैं। इसके लिए युवाओं को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर निर्माण होगा। यूसूपाएं को स्टेट
वर्किनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के, रेस्टुरेंट वेबिनार के लिए
विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा
मौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी को व्यापार में
खेलकर अपने कृषि उत्पादों को बेचार करें और अधिक मुनाफा कराएं।

स्कूली विद्यार्थियों ने भी लिया हिस्सा

कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. ए.के. आबद्धा ने बताया कि इस वेबिनार में हिसार, भिवानी, मिरसा, यमुनानगर महित चंडीगढ़
के विविध स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के सह अधिकारी एवं वेबिनार के योग्यकारी डॉ.
एस.के. पाहुजा के अनुसार इस वेबिनार के दोस्रा कृषि के महान् इसके मंटप में इसकी उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में अवसर
और कृषि इंटरेसेन्स और आदि की जानकारी दी गई ताकि इस विषय के संबंध में उम्मीद रुचि जागृत हो सके। अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में
विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, विभागाधारक, यात्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व किसान भी जुड़े हुए थे।

है। उनमेंने कृषि वैज्ञानिकों से आड़ान किया ज्ञान से ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण द्वेष की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए
कि युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबंधित जगहोंका कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

सार्व भूमि

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या ।— कॉलम

वेदिनार

कृषि शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया मंथन

कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं घाटे का सौदा : कुलपति

सच कहूँ/संदीप सिंहमार
हिमार।

अगर आधुनिक नक्कीं के फसलों के उत्तर कियों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घटे का सीदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेदों के साथ कृषि उत्पादों की उपचयन को बढ़ाए रखने में न केवल रासायनिक और अनरासायनिक सार या पीड़ियांड बढ़ावें। वह कृषि विविधिलालय के कुलपति से, समर प्रिंस ने विविधिलालय में कृषि शिक्षा दिवस पर अनलाइन माध्यम में आयोजित बैठकर को मुख्य संस्करण के तहत पर संबोधित करते हुए कहा- कैसी। वैधानिक एवं आयोजित किया गया था। कार्यक्रम कृषि विविधिलालय की ओर से आयोजित किया गया था।

में सोएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विभागीयालय पालमुरु के कुलपती डॉ. एच. के. चौधरी मुख्य अधिकारी जवाबक भारतीय कृषि अनुसंधान संगठन के अधीन एक विशेष अनुसंधान संस्थान है। इसके स्टेट विभिन्न विद्यार्थी अनुसंधानों में शामिल होने के लिए सभी का स्वतंत्रता दिया जाता है। यहाँ पर्याप्त संसाधनों के साथ सभी का प्रतिवेदन देख और प्रत्येक वर्ष एक विद्यार्थी प्रथम देशी कृषि विद्यार्थी प्रशासन के जन्म दिवस के उत्तरांश में मनाया जाता है। कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा का परिवर्तन मार्ग : डॉ. एच. के. चौधरी

विश्वविद्यालय पालमपुर के कलापीठी डॉ. एस.के. चौधरीने कहा कि हमारी देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इनमें बोने तबके को कृषि संबंधी विषयों देकर जगरूक करना अपने आप में मानव जाति को बढ़ावा देने का सबसे प्रतिक्रिया मार्ग हो सकता है।

भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेतों-बाड़ी से अच्छी आपदाओं कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुआ मिशन होगा। युपाएं प्रथम की स्टेट विभिन्न यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के रैख का काम कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा पौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को नेगर करें और अधिक मुनाफ़ा कमाएं। युवा कृषि व्यवसाय का एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

स्कूली विद्यार्थियों ने भी लिया हिस्सा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... उज्जीत सभापति
 दिनांक ५. १२. २०२३ पृष्ठ संख्या..... — कॉलम..... —

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया कृषि शिक्षा दिवस

भविष्य में कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ : डा. मान

फतेहाबाद, 4 दिसम्बर (ललित मैहता) : कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा केन्द्र के प्रांगण में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वां जन्मदिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कृषि विषय व गृह विज्ञान विषय के 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डा. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने बताया कि देश में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के शिक्षा एवं कृषि के विकास में दिए योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरदूल मान, जिला विस्तार विशेषज्ञ (सूत्रकृमि) ने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थी चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में कृषि सम्बंधी डिग्री कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।



विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियां देते कृषि वैज्ञानिक।

उन्होंने प्रवेश परीक्षा आदि विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. मान ने बताया कि भविष्य में बढ़ती हुई जनसंख्या व धरती जोत के कारण खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने का कार्यभार कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों पर होगा, इसलिए भविष्य में कृषि शिक्षा की सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार वर्षभर उपलब्धता के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

નેત્ર. ૨૦૧૨

दिनांक ५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या — कॉलम —

कोरोना काल में कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की: कुलपति

हिसार/04 दिसंबर/रिपोर्टर

यामीन क्षेत्रों में लघु उद्यम स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक और जहां किसानों को लापा होगा वहां दूसरी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेगी। इसलिए लघु उद्योगों को कच्चा माल नियन्त्रक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। ये विचार औरधीरे चरण सिंह रहियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कल्पनिक प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में एविक कैंडेट को आईडिया-डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एण्ड बिनेस इनवेस्टमेंट के सुभारंभ पर बठौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एविक द्वारा आयोगीय काम करावाले थे पहली इनवेस्टमेंट मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नवार्ड मुख्यातिथि द्वारा एक पाद हड्डी के विशेष अंतिम थे। इस कार्यक्रम मुख्यातिथि ने एविक कैंडेट के विज्ञ

डॉक्युमेंट का भी लोकार्पण किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्याग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवर्तन का खुब भी घट जाएगा और अपदनों में इजाजत होगा। इसके अलावा विचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकती है। उद्धोने कहा कि एग्री इंव्यूबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार को नार्वाइ व राशीय कृषि विकास योजना द्वारा असाध्योदान है। अब इन्स्टर भी एकिक से जु़रूरत एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उद्धोने कहा कि विवरविद्यालय में स्थापित एकाइक क्रेन एक लोहर के रूप में काम करते हुए अन्य कृषि विवरविद्यालयों में नए इंव्यूबेटर सेटअप्स लोने के लिए एक आदर्शों के रूप में स्थापित हो रहा है। इसके अलावा एग्री इंव्यूबेटर केंद्र लोनों के लिए बनने वाली पालिस्म में भी मदद मिलेगी। प्रोफेसर समर मिंह ने कहा कि वागवानी, फल-मस्तिष्यों व चूलों के उत्पादन की जावाही व फूलों का अधिक मिलांड है। कोरोना काल में लागभग सिर्फ उद्योग धंधे

प्रभावित हुए लेकिन कृपि व इसमें
जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था
में महत्वपूर्ण भूमिका आया की
इसलिए इस क्षेत्र में अधिक
अधिक निवेश की संभावनाएँ हैं।
मोटर की संयोजना एवं कंफाइनेंस मैनेजर मरीच मणि जयबिंदु
सह-संयोजक अपरिषद तनेजा ने सभी
का स्वागत किया और इन्हें स्टार्टअप
पोर्ट की विस्तृत जानकारी
नावार्ड के सुख प्रभावित बनाए
देवाआशीष पाठडौली ने अध्यक्षीय
भारण में कहा कि विश्वविद्यालय
में रसित एवं संटोष की सफलता
पर ही नावार्ड भवियता की योजनाएँ
दैयर चारों ओर स्टार्टअप्स को आया
बढ़ने का भौमिका दीं। उठानें चीज़ों
से तुलना करते हुए कहा कि हमारे
यहाँ कम इन्वेस्टमेंट संटोष होने की
ही परिणाम है कि चीज़ों में इस समय
करीब लाखों की संख्या में
स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि
भारत में अभी भी इनकी संख्या
हजारों में है। इसलिए हमारे देश में
अधिक से अधिक इस तरह के
खोलोंने जनरस्ट वै ताकि ज्यादा
से ज्यादा लोग रोज़ाना स्थापित

कर आत्मनिर्भर बन सके। इस तरह के केंद्र खोलने के लिए भारत सरकार भी विशेष रूप से सहयोग करते हुए प्रयाप्ति रहा, ताकि अधिक से अधिक लोग स्टरोजरम स्थापित कर सकें। बील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहकार शायम वैश्वर ने कहा कि भारत युवाओं का दर्शा है और इस तरह के इन्वेस्टर सेटर उड़े हैं और आगे बढ़ने का मौका दे रहे हैं। अब युवा नौकरी की बाबत अपना व्यवसाय स्थापित करने में इच्छा जाहिर कर रहे हैं और ऐसे केंद्र उड़के लिए एक स्टेटर्फर्म बनकर उभे हैं। उड़ने की विश्वविद्यालय की सभी अधिकारियां, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एविक टीम सदस्य विकास संस्था, शर्टेंस सिंह, राहुल दुहन, एविक के चयनित स्टर्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व डेशर्म के एवी स्टर्टअप्स औलाइन माध्यम से जड़े हो थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समाज सेवा

दिनांक .५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : वीसी

एचएयू स्थित एबिक में
स्टार्टअप्स के लिए प्रथम
आइडिया इन्वेस्टर मीट
का शुभारंभ

एबिक का विजन
डॉक्युमेंट भी किया लांच

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित
करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक
ओर जहां किसानों को लाख होंगा वहीं दूसरी
ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु
उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा,
और किसानों को भी इससे संवर्धित किसी



मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाण्डी
विशेष अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने
एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमेंट का भी
लोकप्रिय किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण
क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व
लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा।

एबिक की सफलता पर ही
निर्भर है नावार्ड की भविष्य की
योजनाएँ : मुख्य महाप्रबंधक

नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री देवाआशीष
पाण्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि
विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक
केंद्र की आइडिया डेवलोपमेंट इंकमासेंग
एग्रीबिजनेस इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर
पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा
आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स
मीट है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नावार्ड के मुख्य
महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नावार्ड

एबिक के मेंटर कर रहे
स्टार्टअप्स की समस्याओं
का समाधान डॉ. सीमा रानी

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी
ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019
में की गई थी और अब तक एबिक 25 से
ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100
में ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों
के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का
समाधान कर रहे हैं। एबिक के साथ मिलकर
लीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं
और उनकी वार्षिक आय में काफी वृद्धि हुई है।
प्रोफेसर सुनीता महला ने मुख्यातिथि महित
सभी प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व एबिक टीम का
इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए
धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की
सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक
टीम सदस्य विक्रम सिंह, शलेष सिंह, राहुल
दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान
समुह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स
ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

लाखों की मंजुखा में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं
जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों
में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक
इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि
ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर
कर ही परिणाम है कि चौन में इस समय करीब